



प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुलक्षणा शर्मा ने वनस्थली विद्यापीठ की शोधच्छात्रा के रूप में नियमित कार्य करते हुए 'भट्टिकाव्यम्' के प्रकीर्ण काण्ड (1-5 सर्ग) का व्याकरणात्मक परिशीलन विषय पर मेरे पर्यवेक्षण में प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध लिखा है। यह शोध कार्य मौलिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में अत्यन्त उपादेय है। मैं इस शोध-प्रबन्ध को विद्वान परीक्षकों के सम्मुख परीक्षण हेतु प्रस्तुत करने की सहर्ष अनुमति प्रदान करता हूँ।

(डॉ. योगेश शर्मा)

असिस्टेन्ट प्रोफेसर

संस्कृत, दर्शन एवं वैदिक अध्ययन विभाग

वनस्थली विद्यापीठ (राजस्थान)

राजस्थान-304022